मूल्य – 5 रु.

तारांशु

मासिक
अक्टूबर – 2019
वर्ष 8, अंक 1, पृ.सं. 20

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में
डांडिया रास उत्सव

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

उम्र ना बढ़ने की एक सम्भावना है, लेकिन वो आपके अन्दर से आनी होगी।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सत्यदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर	02
अनुक्रमणिका	03
लेख : 1 - मुम्बई में एक दिन	04-05
लेख : 2 - मुम्बई में दूसरा दिन	05-06
तारा संस्थान में आयोजित प्रेरक सम्मेलन की कुछ झलकियाँ	07-09
प्रेरक आवेदन पत्र / हमारे भामाशाह	10
हमारे प्रकल्प / शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर	11
गौरी योजना / तृप्ति योजना	12
तारा नेत्रालय / महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती वर्ष 2019 पर विशेष	13
न्यूज ब्रीफ	14-15
विनम्र अपील / नेत्र शिविर सौजन्य	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	17
धन्यवाद / अभिनन्दन	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान
सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

मुम्बई तारा नेत्रालय का ओ.पी.डी. दृश्य

मुम्बई में एक दिन

डॉ. हितेष नेत्रावली ओ.पी.डी. करते हुए

पिछले दिनों तारा नेत्रालय, मुम्बई जाना पड़ा था, मायानगरी, देश की आर्थिक राजधानी, सपनों का शहर और भी न जाने क्या–क्या नाम दिए हैं इस शहर को। मुम्बई से मेरा पहला परिचय आज से 25–26 साल पहले हुआ था तब से कई बार वहाँ जाना हुआ कितनी भी व्यस्त जिन्दगी हो लेकिन वहाँ का आकर्षण ऐसा है कि जो लोग वहाँ रहते हैं सब वहीं के हो जाते हैं। मराठी, गुजराती, राजस्थानी, पारसी, दक्षिण भारतीय सारे रंग मिलकर के मानों इन्द्रधनुष सा बना देते हैं। देश में शायद ही कोई ऐसा शहर हो जो इतनी विविधता लिए हो और जब इतने, धर्म इतनी संस्कृति इतने प्रांत के लोग मिलकर कुछ करते हैं तो वह नगर आर्थिक राजधानी कैसे ना होती।

मुंबई में हमारी यात्रा का मकसद था ''तारा नेत्रालय'' मुम्बई के लिए नया स्थान तलाशना क्योंकि अभी जो तारा नेत्रालय है वो अब छोटा पड़ने लगा है और उसमें Extension की गुंजाइश नहीं हैं तो हमें उसके पास ही एक जगह मिली थी जो बहुत कम किराये में उससे बड़ी थी लेकिन हम जब वो जगह देखने गए तो पता चला कि वो जगह तो किसी और को दे दी गई है। तो फिर हमारे पास समय का जिसका सदुपयोग हमने वर्तमान तारा नेत्रालय में कुछ घंटे बिताकर किया। इससे वहाँ की कार्यशैली को नजदीकी से देखने का मौका मिला, साथ ही वहाँ आए रोगियों से भी बात हुई कि उन्हें कैसा लगता है तारा में ऑपरेशन करवाकर।

डॉ. हितेष नेत्रावली ऑपरेशन करते हुए

तारा नेत्रालय, मुम्बई में एक ही डॉक्टर है डॉ. हितेष नेत्रावली जो रोजाना ओ. पी.डी. भी करते हैं और ऑपरेशन भी। लगभग 1200 वर्ग फीट के क्षेत्रफल में डॉ. कक्ष, ऑप्टोमेट्रिस्ट कक्ष, वार्ड ओ.टी., पेंट्री, रोगियों के लिए बाथरूम व

अस्पताल के वार्ड में विभिन्न प्रातों के मरीज

जिस देह से श्रम का पसीना नहीं निकलता, सौंदर्य उस देह को छोड़ देता है।

स्टाफ के लिए बाथरूम भी है और हाँ हमारे वहाँ के मैनेजर के लिए भी शायद कुछ 40–50 वर्ग फीट का ऑफिस भी है जिसे हम उदयपुर में तो कोठरी कहें। हमारे डॉ. साहब आते ही ओ.पी.डी. में रोगियों को देखते हैं फिर 2 घंटे बाद वे थियेटर में जाकर रोजाना 8 से 10 ऑपरेशन करते हैं और जब तक वे ऑपरेशन करते हैं तब तक ऑप्टोमेट्रिस्ट रोगियों की प्रारंभिक जाँच कर लेते हैं और फिर डॉ. साहब ओ.टी. के बाद लंच करके बचे हुए रोगियों को देखकर घर जाते हैं। भले ही वे लेट हो जाएं लेकिन वे सारे रोगियों को देखकर ही घर जाते हैं। डॉ. नेत्रावली के कमरे में जब एक घंटे बैठे तो उन्होंने लगभग 10–12 रोगी देखे किसी से हिन्दी में, किसी से मराठी में बात की सबको पूरा समझाया। एक कॉलेज स्टुडेंट की आँख में कुछ गिर गया था और वो एक डेढ़ महीने से परेशान था डॉ. साहब ने उसकी आँख में दवा डालकर सुन्न कर दिया और आँख में चिपकी हुई मच्छर की टाँग निकाल ली। डॉ. को भगवान यूँ ही नहीं कहते हैं ये तुरंत समझ आ गया। वो लड़का इतना परेशान था कि न तो ट्यूशन जा पा रहा था और ना ही पढ़ाई कर पा रहा था। इधर–उधर दिखाया भी लेकिन ''तारा'' में तो उसे मजा आ गया बिना फीस के समस्या से मुक्ति।

ऑपरेशन वाले रोगियों से मिलने एक महिला रत्नागिरी से आई थी, उनकी बहन उन्हें लेकर यहाँ आई थी। उनका ऑपरेशन हो गया था उनसे पूछा कि इतनी दूर से यहाँ कैसे आए तो उन्होंने बताया कि उनके गाँव में तो हॉस्पीटल है नहीं और पैसे भी नहीं थे, बोरीवली में रहने वाली बहन ने ''तारा'' में ऑपरेशन करवाया था वो भी घरों में झांडू–पौंछा करती थी उसका भी फ्री ऑपरेशन हो गया तो उसने बहन को भी बुला लिया। उत्तर प्रदेश के 65 साल के राम भरोसे यादव को उनका बेटा यहाँ लाया था जो ऑटो चलाता था। वो भी खुश थे कि बिना पैसे अच्छा ऑपरेशन हो गया और उन्हें एकदम अच्छा दिख रहा था शायद उनका मोतिया ज्यादा पक गया था तभी उनका तुरंत ऑपरेशन किया गया वरना मुम्बई तारा नेत्रालय में हमेशा एक महीने की वैटिंग रहती है मतलब आज दिखाया तो एक माह बाद ऑपरेशन होगा। डॉ. साहब एक छोटे से कक्ष में रोगियों को देखकर उन्हें खुद काला चश्मा भी दे रहे थे और दवाई भी बता रहे थे। बता नहीं सकता कि कितनी तसल्ली मिलती है जब दूर–दूर से उम्मीद लिए आए रोगी खुशी–खुशी जाते हैं। तारा नेत्रालय, मुम्बई की छोटी सी दुनिया 6 सालों में अब तक 10800 से ज्यादा ऑपरेशन कर चुकी है।

तारा संस्थान में वृद्धाश्रम या अन्य योजनाएँ तृप्ति या गौरी जो भी हैं वो सभी करुणा जगाती है लेकिन जब भी तारा नेत्रालय में थोड़ा समय बिताते हैं तो एक बहुत अच्छा Feel आता। यही Feel Good आपको और हमको जोड़े हुए है।

आदर सहित...

दीपेश मित्तल

मुम्बई में दूसरा दिन

श्री देशबन्धु कागजी (दाएं) के साथ

दीपेश जी ने मुम्बई प्रवास के पहले दिन का वृत्तांत बताया और दूसरे दिन का जिम्मा मुझपर डाल दिया। मुम्बई में अगले दिन हमने कुछ दानदाताओं से मिलने का निश्चय किया। समय का अभाव और दूरियाँ संभव नहीं करती कि हम आप सबसे मिल पाएँ लेकिन हम जिस तरफ थे वहाँ के एक दानदाता श्री देशबन्धु कागजी से मिलने उनके दफ्तर गए। कपड़े के निर्यात के व्यापारी श्री कागजी ने उनके व्यस्त समय में से लगभग एक घंटा हमें दिया और बताया कि किस तरह वे विभिन्न सेवा कार्यों से जुड़े हैं। भिवानी हरियाणा के रहने वाले श्री कागजी वर्षों से मुम्बई में व्यवसाय कर रहे हैं और बृजभूमि में कई कार्य मंदिर, अस्पताल, गौशाला के कर रहे हैं। आपने समय–समय पर संस्थान को सहयोग दिया है और हम मिलने गए तो भी भेंट स्वरूप कुछ योगदान तारा संस्थान को दिया।

तारा नेत्रालय, मुम्बई का उद्घाटन जब 12 अक्टूबर, 2013 को हुआ तो उद्घाटन समारोह वाले दिन एक छोटे कद की बुजुर्ग महिला सीढ़ियाँ चढ़कर पधारी और जहाँ ओ.पी.डी. में रोगियों के बैठने की जगह थी वहाँ आकर बैठ गई। उद्घाटन में थोड़ा समय था और वे वहाँ आराम से बैठी थी तो थोड़ा कौतुहल हुआ कि ये कोई दानदाता हैं या आँख दिखाने आई हैं तो उनसे बातचीत की उन्होंने बताया कि मुम्बई सेंट्रल से आई हूँ और अपने पति की स्मृति में कुछ देना चाहती हूँ। उन्होंने अपने पति की स्मृति में तारा नेत्रालय के ऑप्टोमेट्रिस्ट कक्ष को समर्पित करने का निश्चय करते हुए छः लाख रुपये संस्थान को दिए जो कि बहुत बड़ी राशि थी। उसके बाद भी समय–समय पर कितना डोनेशन उन्होंने संस्थान को दिया, जब भी कोई योजना उन्हें दी जाती वे हमेशा कुछ–ना–कुछ सहयोग करती। बाद में तो मैंने हमारे कार्यकर्त्ताओं को मना किया कि उनकी सदाशयता है लेकिन अधिक राशि एक ही दानदाता से लेते रहना गलत बात है। इंदिरा जी के पति श्री नन्द कुमार बी. जाजोदिया बिड़ला जी के पास उच्च अधिकारी थे लेकिन उनके कोई संतान नहीं हुई। श्री जाजोदिया साहब का निधन तो कई वर्ष पहले हो गया था। इंदिरा जी की केयर उनके पति के यहाँ काम करने वाले श्री रामलोचन जी करते थे।

(स्व.) श्रीमती इन्दिरा जी जाजोदिया (बीच में) की एक स्मृति शेष

स्व. श्री जाजोदिया सा.

इंदिरा जी के बारे में पता चला था कि वे बीमार हैं तो हम श्री कागजी से मिलने के बाद इंदिरा जी के पास गए। वो कालबादेवी में ब्राह्मण महासभा के अस्पताल में भर्ती थीं। छोटा सा अस्पताल था लेकिन सर्व सुविधायुक्त, आई.सी.यू., वार्ड, रूम सब कुछ। इंदिरा जी की एक बाई थी उन्हीं के पास इंदिरा जी का फोन रहता था उनसे ही उस अस्पताल का पता चला। वहाँ इंदिरा जी होश में तो थी लेकिन कुछ समझ नहीं पा रही थी। एकदम कमजोर हो चुकी इंदिरा जी को मैंने आवाज देकर कहा ''आंटी मैं कल्पना'' तो उन्होंने हाँ कहा लेकिन उन्हें ज्यादा कुछ समझ नहीं आ रहा था, वहाँ की डॉक्टर साहिबा से बात की तो उन्होंने बताया कि सोडियम बहुत कम हो गया था बाकी सब ऑर्गन तो ठीक हैं लेकिन पता नहीं क्यों मुझे ऐसा विचार आया कि ईश्वर उन्हें अपने पास बुला रहा है। अभी कुछ समय पहले तो उनका जन्मदिन था तो मैंने उनसे बात की थी, बुलंद आवाज में लाड़ से वो मुझसे बतिया रही थी। मुझे एक बात की तसल्ली थी कि उनकी देखभाल अच्छे से हो रही थी दोनों वक्त 12–12 घंटे की बाइयाँ थीं, केयर करने वाली नर्स थी और सबसे बड़ी बात श्री रामलोचन जी रोज शाम को उनके पास 2–3 घंटे आ जाते थे और रिश्तेदार भी समय–समय पर आते थे।

जब आप तकलीफ में हो और आपको होश ना भी हो तो भी आपके पास कोई हो और वो प्यार से आपकी केयर कर रहा हो तो अवचेतन में कहीं न कहीं संतुष्टि मन को होती ही है और ऐसा ही इंदिरा जी को हो रहा होगा, मैं तो इसी बात से खुश थी।

दो दिन के प्रवास के बाद जब हम वापस उदयपुर आए तो 4–5 दिन में ही पता चला कि इंदिरा जी नहीं रहीं। 87 वर्ष की इंदिरा जी ने कई वर्ष बिना पति के और बच्चों के बिताए और एक आदर्श जीवन जिया उनकी याद लम्बे समय तक हमारे दिलों में रहेंगी। मैं श्री रामलोचन जी को भी धन्यवाद दूँगी जिन्होंने इंदिरा जी को अच्छे से संभाला और देखभाल की। सबसे बड़ी बात ये है कि कुछ रिश्ते ईश्वर बनाता है तभी तो वो इंदिरा जी जिनसे महज कुछ साल पहले मैं मिली लेकिन अपनापन अपार था उनके अंतिम समय से पहले ईश्वर ने उनसे मिलने भेज दिया, वो जहाँ भी होगी मुझे बहुत सा आशीर्वाद दे रही होंगी।

मुझे नहीं पता कि मैं आप सभी के अपार प्यार को निभा पाती हूँ या नहीं लेकिन ये पक्का है कि मेरा प्रयास पूरा रहेगा कि मैं इस योग्य बनी रहूँ कि आपका आशीर्वाद बना रहे...

आदर सहित....

कल्पना गोयल

तारा संस्थान में आयोजित प्रेरक सम्मेलन की कुछ झलकियाँ

सम्मेलन को संबोधित करते (बाएं से तीसरे) श्री कैलाश 'मानव',
(संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान)

सम्मानित अतिथिगण श्री नरेश जी जैन उद्‌बोधन देते हुए

गण्यमान्य सम्मानित अतिथि

प्रेरक मुन्नी देवी जी शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के
बच्चों को उत्साहित करते हुए

उदयपुर शहर के भ्रमण का एक दृश्य

प्रेरक सम्मेलन में पधारे प्रेरकों का परिचय - 1

श्री नरेश जैन, दिल्ली : आप स्वयं ने समय–समय पर संस्थान को सहयोग दिया एवं परिचितों को भी संस्थान से जुड़वाने में हमेश अग्रणी रहे हैं। आप संस्थान के सभी कार्यक्रम में पधार कर संस्थान का मार्गदर्शन करते हैं।

संस्थान से जुड़ाव : जनवरी, 2015 से

श्री राकेश जैन, दिल्ली : आपको नरेश जी जैन ने संस्थान से जोड़ा है एवं आपने संस्थान को संबल प्रदान करने की सहमति दी है। आपका भी मार्गदर्शन हमें मिलता रहेगा।

संस्थान से जुड़ाव : सितम्बर, 2019 से

श्रीमती कुमुद शर्मा, दिल्ली : आप संस्थान के प्रारंभ से ही जुड़ी हुई हैं एवं आप अपनी कॉलोनी से प्रतिमाह दान सहयोग एकत्रित करके संस्थान के प्रतिनिधि को देती हैं।

संस्थान से जुड़ाव : जुलाई, 2011 से

श्रीमती रानी दुलानी, मुम्बई : आप मुम्बई हॉस्पीटल के प्रारंभ से संस्थान से जुड़ी हुई हैं। आपने मशीनों के लिए एवं मुम्बई हॉस्पीटल के लिए दान राशि एकत्रित कर संस्थान को संबल प्रदान किया है। आप मुम्बई में सक्रिय रूप से संस्थान के कार्य कर रही हैं।

संस्थान से जुड़ाव : जून, 2011 से

श्रीमती भावना बेन, मुम्बई : आप रानी जी दुलानी के साथ मिलकर संस्थान के कार्यों को गति प्रदान करने में अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं।

संस्थान से जुड़ाव : जून, 2011 से

श्री आदाराम भाटिया, मुम्बई : आप पाली (राजस्थान) के निवासी हैं। वर्तमान में मुम्बई में निवास करते हैं। आप स्वयं व अपने मित्रों से प्रतिमाह दान सहयोग एकत्रित कर संस्थान को भिजवाते हैं।

संस्थान से जुड़ाव : जनवरी, 2016 से

श्रीमती हर्ष आर्या, दिल्ली : आर्य समाज के सभी सदस्यों को संस्थान से जोड़ने में आपकी अहम भूमिका है। आप संस्थान के साधक अमित शर्मा को प्रतिमाह संस्थान के लिए एक तय दानराशि एकत्रित कर दिलवाती हैं।

संस्थान से जुड़ाव : अगस्त, 2011 से

श्रीमती दुर्गा ग्रोवर, दिल्ली : आप स्वयं प्रतिमाह अपनी आय में से एक तय राशि संस्थान को देकर बुजुर्गों की सेवा का कार्य कर रही हैं एवं अपने परिचितों को भी संस्थान के जोड़ने के लिए प्रेरणा देती हैं।

संस्थान से जुड़ाव : जुलाई, 2014 से

अगले पृष्ठ पर जारी...

...पिछले पृष्ठ से जारी

प्रेरक सम्मेलन में पधारे प्रेरकों का परिचय - 2

श्री कुलदीप सिंह, दिल्ली : आप अपने मित्रों के साथ मिलकर संस्थान के कार्यों को गति प्रदान करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

संस्थान से जुड़ाव : अगस्त, 2018 से

श्रीमती मुन्नी देवी चौधरी, दिल्ली : आप दिल्ली पुलिस की सेवा में व्यस्त रहते हुए भी संस्थान के लिए समर्पित हैं। आप प्रतिवर्ष अपने निवास स्थान पर मोतियाबिन्द जाँच शिविर का आयोजन करवाती हैं।

संस्थान से जुड़ाव : नवम्बर, 2017 से

श्री तेजराम सैनी, दिल्ली : आप शिविर के माध्यम से संस्थान से जुड़े हैं एवं प्रतिवर्ष अपने क्षेत्र में शिविर का आयोजन करवाते हैं एवं अब आप संस्थान के एक प्रेरणा स्रोत के रूप में अहम् कार्य कर रहे हैं।

संस्थान से जुड़ाव : जनवरी, 2017 से

श्री भूपसिंह सैनी, दिल्ली : आप भी शिविर के माध्यम से संस्थान से जुड़े है। श्री तेजराम सैनी एवं श्री कुलदीप सिंह के साथ मिलकर दिल्ली में शिविरों के कार्य को करवाने में आपका मुख्य सहयोग रहा है।

संस्थान से जुड़ाव : अगस्त, 2018 से

श्री डी.डी. गोयल, फरीदाबाद : आपने फरीदाबाद में शिविरों का आयोजन उस समय करवाया जब संस्थान को प्रारंभ में जरूरत थी व फरीदाबाद में अपने परिचितों से भी संस्थान को मिलवाया। अभी फरीदाबाद में कोई भी कार्य आपको कहा जाता है तो आप सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

संस्थान से जुड़ाव : जून, 2011 से

श्री सुरेश कुमार शर्मा, दिल्ली : आप अपने धनिष्ट मित्रों को संस्थान से जोड़ने का अथक प्रयास निरन्तर कर रहे हैं।

संस्थान से जुड़ाव : 2012 से

श्रीमती विजय लक्ष्मी जी (श्री दुर्गा स्तुति मण्डल) पंचकुला (हरि.) : आप मंडल के सक्रिय सदस्य हैं एवं पूरे मण्डल को तो संस्थान से जोड़ा है साथ अन्य मण्डलों को भी संस्थान से जोड़कर सेवाकार्य को गति प्रदान का कार्य कर रहे हैं।

संस्थान से जुड़ाव : सितम्बर, 2014 से

श्रीमती बिमला जैन - श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, दिल्ली : आप रसीद बुक के माध्यम से दान एकत्रित कर संस्थान प्रतिनिधि को प्रतिमाह प्रदान कर रहे हैं।

संस्थान से जुड़ाव : 2012 से

आप भी तारा संस्थान के सम्माननीय प्रेरक बनने हेतु आमंत्रित किए जाते हैं।

जैसा कि आपने पिछले–पृष्ठों पर प्रेरकों का परिचय पढ़ा है कि कैसे वे लोग अपने जीवन में व्यस्त रहते हुए भी समाज सेवा हेतु समय निकाल कर एक कल्याणकारी कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार आप भी जनसेवा में भागीदारी हेतु तारा संस्थान के प्रेरक बनने के लिए निम्न फार्म भरकर हमें अवश्य भेजे :

प्रेरक आवेदन पत्र

नाम : .....

पिता / पति का नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

.....

मोबाईल नम्बर : .....

ई–मेल आई.डी. : .....

जन्मदिवस : .....

शादी की सालगिरह : .....

मैं ..... तारा संस्थान के प्रेरक बनने के लिए सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

दिनांक : .....

हस्ताक्षर प्रेरक आवेदनकर्त्ता

हमारे भामाशाह

श्री विजय कुमार शर्मा (पदमा केबल), दिल्ली

आपका अपनी पत्नी के साथ में 13 अगस्त, 2019 को तारा संस्थान, उदयपुर पधारना हुआ, आपश्री ने दिल्ली में कई शिविर करवाए हैं, कई मोतियाबिंद ऑपरेशन भी करवाए हैं, आपने तारा संस्थान उदयपुर विजिट किया।

श्री सीताराम जी सिंघल, गाजियाबाद (यू.पी.)

आप श्री कई वर्षों से नारायण सेवा संस्थान से जुड़े हुए हैं। आप नारायण सेवा के गाजियाबाद के शाखा अध्यक्ष हैं। आप श्री का उदयपुर पधारना हुआ तो आपने तारा संस्थान विजिट किया।

श्री रमेश जी सिसोदिया, गुड़गाँव (हरियाणा)

आपश्री का दिनांक 6 सितम्बर, 2019 को तारा संस्थान, उदयपुर पधारना हुआ। आपश्री टीवी पर संस्थान का प्रोग्राम देखते थे। आपका प्रथम बार संस्थान पधारना हुआ, संस्थान विजिट किया व संस्थान के आजीवन सदस्य बने।

एक अच्छे अधिकारी के पाँच गुण होते हैं - सक्षमता, ईमानदारी, तत्परता, धैर्य और निष्पक्षता।

हमारे प्रकल्प :

आनन्द वृद्धाश्रम में भजन-कीर्तन में मस्त रहती हूँ : श्रीमती कमलेश गोयल (साध्वी मीरा)

श्रीमती कमलेश गोयल

लगभग 64 वर्षीया श्रीमती कमलेश गोयल मूलतः दिल्ली निवासी हैं। उनकी एकमात्र संतान एक पुत्री है। श्रीमती गोयल के पति दिल्ली में ही प्राइवेट नौकरी में थे परन्तु लकवाग्रस्त हो गए। श्रीमती गोयल का मन सांसारिक गतिविधियों से उब गया तो वह एक सन्त मण्डली में शामिल होकर देशभर में भजन कीर्तन, कथा वाचन आदि गतिविधियों में संलग्न रही। यह सिलसिला करीब (12–13) साल तक चला। फिर उनका मन थोड़ा उचट गया तो पिछली 2–3 वर्षों से नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर से जुड़ाव रखा। चूंकि श्रीमती गोयल एकाकी ही थी सो नारायण सेवा संस्थान से ही विचार मिला कि क्यों न वह आनन्द वृद्धाश्रम (तारा संस्थान द्वारा संचालित) में प्रवेश ले लेवें। श्रीमती कमलेश गोयल अप्रेल, 2019 से इसी वृद्धाश्रम में आराम से रह रही हैं। अब किसी प्रकार की चिन्ता नहीं है एवं वह अपने हम उम्र साथियों के साथ कथा वाचन, भजन कीर्तन आदि में व्यस्त रह कर मस्त रहती हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	3500 रु. (एक समय)

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर :

चौसर बाई : मेरे 3 बच्चे शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर में मुफ्त शिक्षा पा रहे है

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल विधवा महिलाओं के बच्चों को उत्तम शिक्षा बिल्कुल मुफ्त में देने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। इन बच्चों को स्टेशनरी, किताबें व यूनिफॉर्म आदि एकदम मुफ्त दिया जाता है एवं कोई फीस नहीं है। यहाँ तक कि बच्चों के ट्रांसपोर्टेशन की भी व्यवस्था उपलब्ध है। इस अंक में हम एक विधवा महिला लाभार्थी श्रीमती चौसर बाई के बारे में जानेंगे कि किस प्रकार चौसर बाई के तीन बच्चे शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल से लाभान्वित हो रहे हैं। चौसर बाई के पति लगभग 6 माह पूर्व गुज़र गए, जिससे चौसर के जीवन में अचानक आफत आन पड़ी। मकान किराया, बच्चों की फीस व घर का राशन आदि एक अकेली अनपढ़, बेरोजगार स्त्री कहाँ से जुटाएँ? चौसर बाई की आशा अब सिर्फ उसके तीनों छोटे–छोटे बच्चे हैं तो तारा संस्थान ने शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में उनको प्रवेश कर चौसर की एक बड़ी परेशानी को दूर कर दिया है। चौसर बाई तारा संस्थान की आभारी है।

गौरी योजना :

तारा संस्थान का आभार : लता यादव

मात्र 23 वर्षीया लता यादव तीन बच्चों की माँ है एवं अपने पति को त्याग कर अलग रहती है। दरअसल उनका पति शराबी है एवं आए दिन लता व उसके बच्चों से झगड़ा करता है तथा मारपीट भी करता है। कई वर्षों तक यही सिलसिला चलता रहा लेकिन लता ने बच्चों की खातिर किसी प्रकार का प्रतिरोध का साहस नहीं कर पाई। लेकिन जब पानी सिर से ऊपर आ गया और पति सारी कमाई सिर्फ शराब में उड़ाता रहा तथा घर खर्च हेतु एक फूटी कौड़ी भी नहीं देने लगा तो लता को लगा कि इस नारकीय जीवन से छुटकारा पाना ही होगा। अन्ततः हिम्मत जुटा कर एक दिन उसने बच्चों को साथ लेकर पति को त्याग दिया एवं बच्चों के साथ अलग रहने लगी परन्तु अब समस्या यह थी कि एकल स्त्री समाज में किस प्रकार सम्मान जनक तरीके से कुछ कमा पाए? उसने घरों में काम कर गुजारा निकालने की कोशिश की पर वह काफी नहीं था 3 बच्चों के भरण–पोषण व पढ़ाई–लिखाई का बड़ा सवाल था। आखिरकार तारा संस्थान की गौरी योजना से लता यादव को बहुत राहत मिली है। तारा के दानदाताओं को लता का आभार प्रेषण है।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष - 12000 रु.	06 माह - 6000 रु.	01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

दानदाताओं का बहुत भला होवे : भूरी बाई

काफी उम्र दराज़ एवं कमजोर स्वास्थ्य वाली श्रीमती भूरी बाई के पति की कई बरसों पहले मृत्यु हो चुकी थी। वह खेतीहर मजदूर थे परन्तु उनकी मृत्यु के पश्चात् भूरी बाई ने अपनी इकलौती संतान, 7 वर्षीया पुत्री को बड़ा करने हेतु स्वयं मजदूरी की एवं उसे बड़ा कर विवाह करवाया। उसके पश्चात् वह अकेली ही अपनी झोपड़ी में दिन काट रही थी कि एक दिन भारी वर्षा से उसकी झोपड़ी ढह गई तो फिर उसकी पुत्री उसे अपने यहाँ पर ले आई। खराब स्वास्थ्य के चलते भूरी बाई कुछ काम स्वयं नहीं कर सकती सो उसकी पुत्री ही उसको खिलाती पिलाती एवं नहलाती धुलाती आदि है। भूरी का स्वास्थ्य काफी बिगड़ा हुआ है परन्तु पैसे की तंगी के चलते उसका शहर में ईलाज कराना संभव नहीं – ऐसा उसकी पुत्री का कहना है। तारा संस्थान ने भूरी बाई के लिए मासिक राशन व 300 रु. नकद का प्रावधान कर सुनिश्चित किया कि बेचारी बुढ़िया को कुछ सहारा तो मिले। भूरी बाई दानदाताओं की भलाई एवं खूब धन दौलत की हुआ करती है।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु.	06 माह - 9000 रु.	01 माह - 1500 रु.

शक्तिमान होने में बड़प्पन नहीं, शक्ति का सदुपयोग करने में बड़प्पन है।

तारा नेत्रालय :

80 वर्षीय मेघा जी की जुबानी

श्री मेघा जी : मेरी उम्र लगभग 80 वर्ष है और पेशे से काश्तकार होकर निकट के गाँव में रहता हूँ। लगभग 2 वर्ष से मेरी आँख से दिखाई देना लगभग बन्द हो गया था समझ नहीं होने से कभी अस्तपाल से पाला नहीं पड़ा और कुछ ईलाज नहीं शुरू करवाया। फिर मेरे दामाद ने तारा नेत्रालय, उदयपुर दिखाने को कहा। यहाँ जाँच के बाद मोतियाबिन्द ऑपरेशन कर दिया गया अब सब दिखाई दे रहा है एवं यह सब कुछ बिलकुल निःशुल्क हो गया जिसके लिए मैं तारा संस्थान के दानदाताओं के अति आभारी होकर धन्यवाद अर्पित करता हूँ।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन	09 ऑपरेशन	06 ऑपरेशन	03 ऑपरेशन	01 ऑपरेशन
51000 रु.	27000 रु.	18000 रु.	9000 रु.	3000 रु.

महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती वर्ष 2019 पर विशेष

गांधी: पृथ्वी पर सबकी आवश्यकता हेतु पर्याप्त है : महात्मा गांधी ने उपदेश देने से पहले हमेशा स्वयं सत्य का अभ्यास किया। उनके जीवन की इन घटनाओं के प्रकाश में , उपभोक्तावाद पर उनका बहुत प्रसिद्ध उद्धरण स्वयंसिद्ध होता है:

पृथ्वी सभी मनुष्यों की जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त संसाधन प्रदान करती है लेकिन लालच पूरा करने के लिए नहीं : महात्मा गांधी

घटना 1. यहां तक कि पेड़ों की कुछ पत्तियां भी कीमती हैं : अपने आश्रम में एक सुबह, महात्मा गांधी ने अपने एक परिचारक को दवा के रूप में चबाने के लिए नीम के कुछ पत्ते लाने के लिए कहा। परिचारक जल्द ही पेड़ की एक पूरी टहनी के साथ वापस आ गया। यह देखकर गांधीजी तड़प उठे और कहा कि उन्हें केवल कुछ पत्तियों की जरूरत है क्यों पत्तों से भरी पूरी टहनी बर्बाद कर दी गई थी। यह परिचारक के लिए मितव्ययता का एक सबक था जिसे गांधी ने कुछ पत्तियों के अपव्यय के रूप में माना था जो प्रकृति के किसी भी अन्य मूल्यवान संसाधनों के अतिदोहन के बराबर था।

घटना 2. फटी धोती कोई समस्या नहीं : एक अन्य अवसर पर किसी ने महात्मा गांधी को बताया कि उनकी धोती (लुंगी) फट गयी थी जो जनता के बीच दिखाने पर उनके लिए शर्मनाक हो सकता था। गांधी ने अपने परिधान को इस तरह से जाँचा और समायोजित किया कि फटे हुए हिस्से को छिपा दिया गया और कहा – "अब वह हिस्सा और नहीं दिखाई देगा? अभी तो बहुत फटना बाकि है।"

!! पुनः बापू की 150वीं जयन्ती की शुभकामनाएँ !!

By RAO TS
Originally Published in : www.raots.com

01.09.2019

नए मंदिर में माता रानी की मूर्ति स्थापना के शुभ अवसर पर गण्यमान्य लोग जैसे पंजाब केसरी के श्री डी. एन. कोठारिया, श्री अनिल गटवानी, सेक्टर–12 कोर्ट से जज श्री के. पी. सिंह आदि उपस्थित थे।

07.09.2019

स्वर्गीय श्रीमती विमला मुखीजा की पावन स्मृति में निशुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ रतलाम के भामाशाह श्री एन. डी. मुखीजा साहब के सौजन्य से संपन्न हुआ। तारा संस्थान द्वारा संचालित यह सेंटर मुख्यतः विधवा महिलाओं को सिलाई सिखाने के लिए खोला गया है।

07.09.2019

प्रयागराज के रविंद्रनाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम में साईं संस्थान की तरफ से भजन कीर्तन का आयोजन हुआ, सभी वृद्धाश्रमवासियों को संस्थान की तरफ से फलाहार वितरण किया गया।

10.09.2019

आनंद वृद्धाश्रम उदयपुर में सभी आवासी हाउजी गेम व ताश खेलने का आनंद लेते हुए।

09.09.2019

तारा संस्थान के प्रमुख दानदाता श्री जे. पी. शर्मा (बाएं से तीसरे) व सुश्री कृति शर्मा (नि. दिल्ली) का उदयपुर पधारना हुआ। आपने संस्थान के हॉस्पिटल का विजिट किया व तृप्ति तथा गौरी योजना की लाभार्थी महिलाओं से बातचीत कीं। श्री शर्मा के साथ में दिल्ली से ही समाजसेवी श्रीमती प्रेम निझावन, श्री सुरेशपाल कालरा व श्रीमती कमलेश कालरा भी उपस्थित थे।

22.09.2019

तारा संस्थान द्वारा कानपुर में आयोजित स्नेह मिलन का ग्रुप फोटो

19.09.2019

तारा संस्थान संचालित ओमदीप आनंद वृद्धाश्रम, फरीदाबाद में भोजन सेवा की कुछ झलकियां, प्रायोजक श्री भीम सिंह कोहली।

24.09.2019

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000 प्रति वर्ष

श्रीमती सरोज सांदू की स्मृति में सांदू परिवार उदयपुर द्वारा मस्ती की पाठशाला में लज़ीज़ भोज का आयोजन रखा गया।

29.09.2019

दैनिक भास्कर (पत्रिका) उदयपुर की तरफ से आनन्द वृद्धाश्रम वासियों को मछलीघर दिखाने ले जाया गया।

हार्दिक श्रद्धांजलि

लुधियाना (पंजाब) निवासी तारा संस्थान की डोनर **श्रीमती सुदेश जी जैन** का 7 सितम्बर, 2019 को स्वर्गवास हो गया है। तारा परिवार की ओर से भावभिनी श्रद्धांजलि। ईश्वर उनके शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करे। हम दिवगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करते हैं।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer
ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. 4,20,000/- (चार लाख बीस हजार रुपये)

Non-Contact Tonometer
नॉन-कांटेक्ट टोनोमीटर

आँख के अंदरूनी तरल पदार्थ के दबाव (IOP) की जाँच मे उपयोगी जिससे काला पानी बीमारी का पता चलता है। (बिना आँख को स्पर्श किये)

कीमत रु. 4,48,000/- (चार लाख अड़तालीस हजार रुपए)

नेत्र शिविर सौजन्य
मोतियाबिन्द
जाँच-चयन-शिविर
आयोजन एवं 30 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य,
प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच -
चश्मा वितरण -
दवाई सहयोग राशि,
प्रतिशिविर - 21000 रु.

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

यदि आपके पास सच्ची लगन है तो सफलता स्वयं आपके कदम चूमेगी।

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह सितम्बर – 2019 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्री शम्भू सिंह सोलंकी – कोटा (राज.), श्री बद्री सिंह राठौड़ – कोटा (राज.), श्री चन्द्र दत्त त्रिपाठी – इन्दौर (म.प्र.)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली राजधानी – दिल्ली, बजा परिवार – नई दिल्ली, वर्धमान प्लाजा – नई दिल्ली, श्रीमती सुषमा धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, श्री दुर्गा प्रसाद धानुका चैरिटेबल ट्रस्ट – दिल्ली, ए.बी. शुगर्स लिमिटेड – होशियारपुर (पंजाब), जय श्री कृष्णा – पुणे

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.)

मदर इंडिया पब्लिक स्कूल, मानसी विहार, सेक्टर 23, संजय नगर, गजियाबाद (उ.प्र.)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 20 शिविर (देशभर में)

Thanks : # NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Mr. M.P. Agrawal - Lt. Mrs. Sarla Agrawal
Delhi

Mr. Rajendra Kumar - Mrs. Kumud Jain
Haridwar

Mr. Ramakant - Mrs. Shailja Chandrabhe

Mr. Siremal Kothari - Mrs. Kanchan Bai

Mr. Charanjeet - Mrs. Kamlesh Ahuja
Bilaspur (CG)

Mr. Omprakash Prajapati - Mrs. Kabu Devi
Hyderabad

Mr. Narendra Kumar - Mrs. Sumanlata Gupta

Mr. Sunil Kumar - Mrs. Archana Maheshwari

Mr. Deo Dutt - Mrs. Urmila Devi Sharma
Udaipur (Raj.)

Mr. Bishandeen Gupta - Mrs. Vimla Gupta
Rampur (UP)

Mr. Kailash Khandelwal - Mrs. Madhu Khandelwal
Vrindavan - Mathura (UP)

Shersta, Gopal Mahajan & Family
Pathankot (PB)

Lt. Mrs. Savitri Devi
Jaipur (Raj.)

Lt. Mr. Alok Khandelwal
Jaipur (Raj.)

Mr. Sripal Lodha Jain
Bowenpally (T.G.)

Lt. Mr. Sagarmal Agrawal
Secunderabad (T.G.)

Mr. Dhaniram Gupta
Sangareddy (T.G.)

Mr. Girish Ahuja
Bilaspur (CG)

Mr. Ashok Kumar Tiwari
Jaipur (Raj.)

Manpreet Kaur
Sunam (PB)

Mr. Gureep Gir Baba
Patra, Patiala (PB)

Lt. Mrs. Parwati Devi
Ludhiana (PB)

Mrs. Raj Jain
Dehradun

Mr. Ramswaroop Gangawat
Jaipur (Raj.)

Sonia Gupta
Ghaziabad (UP)

Lt. Mrs. Iglesh Kanwar
Jaipur (Raj.)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्रीमती एवं श्री रूप नारायण गुप्ता
जयपुर (राज.)

श्री रमेश गाँधी एवं श्री किशोर गाँधी
मुम्बई

श्री नरेन्द्र जैन एवं सुपौत्र श्री नमो जैन
गाँधी नगर, दिल्ली

श्रीमती सरोज - श्री सुरेन्द्र रावत
मंदाकिनी अपार्टमेन्ट, प्रीतमपुरा, दिल्ली

श्री एस.के. रथनैह शेट्टी
बैंगलोर

श्री मिट्टू लाल सिसोदिया एवं साथी
वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)

श्री राजेश जैन, श्रीमती चन्दना जैन एवं
श्रीमती रश्मि जैन, दिल्ली

श्री हेमन्त कुमार - श्रीमती नीलम जी
उदयपुर (राज.)

श्रीमती दमयंती भंसाली
पुणे

श्री अशोक हरि बिनवत
बैंगलोर

श्री फिरतू सिंह जोधा
पुणे

श्री अर्जुन लाल वर्मा
चरोदा (छ.ग.)

श्री वी. आदिशेषा रेड्डी
हैदराबाद

श्री हुक्मी चन्द जैन
हैदराबाद

श्री बिमल चन्द दुजारी
सिकंदराबाद (ते.ग.)

श्री जगदीश जोनवाल
रतलाम (म.प्र.)

श्री सुरेन्दर बहल
नई दिल्ली

श्री रामकृष्णा मित्तल
भिलाई (छ.ग.)

श्री ओंकारनाथ जायसवाल
पेंड्रा, बिलावपुर (छ.ग.)

श्री महावीर गुप्ता
पीतमपुरा, दिल्ली

जिसके पास धैर्य है, वह जो कुछ इच्छा करता है, प्राप्त कर सकता है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Chennai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban).... A/c No. 004501021965..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India..... A/c No. 31840870750..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645 ..... IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank..... A/c No. 912010025408491..... IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank ..... A/c No. 12731450000426 ..... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank..... A/c No. 0169101056462 ..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India.... A/c No. 3309973967 ..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank... A/c No. 8743000100004834 ..... IFSC Code : punb0874300
Yes Bank..... A/c No. 065194600000284..... IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.) 313002, Mob. No. +91 9649399993

TARA NETRALAYA - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059 Mob. No. +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra), Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana) Phone No. 0129-4169898, Mob. No. +91 7821855758

TARA NETRALAYA - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney, Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road, Banthla Loni, Gaziabad (U. P.) Mob. No. +91 7821855750

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House) Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.) Mob. +91 8875721616

TARA SANSTHAN RAJKIYA VRUDDHASHRAM
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai Show Room, South Extension, Balicha, Udaipur (Raj.) - 313001

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad - 211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007 (Haryana) Mob. No. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur
H.O. Bypass Road, Gokul Village, Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.) Mob. No. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, अक्टूबर - 2019
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	मित्ति
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	3500 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	(एक समय)

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का
कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
प्रातः 8:40 से
9:00 बजे

बुक पोस्ट

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org,
Website : www.tarasansthan.org